http://www.ukboardonline.com

रोल नं. | | | | | | | | |

मुदित पृष्ठों की संख्या : 4

101

401 (IAB)

2016
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

जो समझता है वह दूसरों का उपकार कर रहा है, वह अबोध है; जो समझता है कि दूसरा उसका अपकार कर रहा है, वह भी बुद्धिहीन है। मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है, अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास–विधाता की योजना के अनुसार। किसी को उससे सुख मिल जाये, बहुत अच्छी बात है, नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परन्तु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए। सुख पहुँचाने का अभिमान यदि गलत है, तो दुःख पहुँचाने का अभिमान तो नितरां गलत है।

दुःख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है। दुःखी वह है जिसका मन परवश में है। परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ–हजूरी। जिसका मन अपने वश में नहीं है, वही दूसरों के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है। कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है। वह वैरागी है। राजा जनक की तरह संसार मे रहकर सम्पूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है। जनक की भाँति वह घोषणा करता है– मैं स्वार्थ के लिए अपने मन को सदा दूसरों के मन में घुसाता नहीं फिरता, इसलिए मैं मन को जीत सका हूँ, उसे वश में कर सका हूँ।

(क) मनुष्य को अभिमान क्यों नहीं होना चाहिए ? 3

(ख) 'दुःख और सुख तो मन के विकल्प हैं' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 3

(ग) कुटज कैसे व्यक्ति का प्रतीक है और क्यों ? 3

(घ) परवश व्यक्ति कैसा होता है ? 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 3

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए– 10

(क) अनुशासन का महत्व (ख) पर्यावरण सुरक्षा

(ग) विज्ञान – वरदान या अभिशाप (घ) आधुनिक युग में नारी की भूमिका

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– 1×5 = 5

(क) हिन्दी भाषा में प्रकाशित एक साहित्यिक मासिक पत्रिका का नामोल्लेख कीजिए।

(ख) प्रिंट मीडिया से आप क्या समझते हैं ?

(ग) वीडियो कान्फ्रेंसिंग क्या है ?

(घ) किसी पत्रिका का आजीवन सदस्य कौन हो सकता है ?

(ङ) 'सम्पादकीय' से आप क्या समझते हैं ?

4. सरकारी विद्यालयों में 'अध्ययन–अध्यापन के प्रति समर्पण का अभाव' **अथवा** 'मानवीय रिश्तों की गिरावट' विषय पर लगभग 150 शब्दों का आलेख तैयार कीजिए। 5

[P.T.O.

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 2×3 = 6

(i) हरषि राम भेटेउ हनुमाना। अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना ।।
तुरत बैद तब कीन्हि उपाई। उठि बैठे लछिमन हरषाई ।।
हृदयँ लाइ प्रभु भेंटेउ भ्राता। हरषे सकल भालु कपि ब्राता ।।
कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा। जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा ।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश में 'भेटेउ' शब्द का दो बार प्रयोग हुआ है। दोनों पंक्तियों में प्रयुक्त 'भेटेउ' शब्द का पृथक – पृथक भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) लक्ष्मण के जीवित होने पर क्या हुआ ?

(ग) 'जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है
बालक तो हई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आइने में चाँद उतर आया है

(क) 'बालक तो हई चाँद पै ललचाया है' पंक्ति में बालक के चाँद पर ललचाने से कवि बालमन के किन–किन भावों को बतलाना चाहता है ?

(ख) माँ दर्पण किसे देती है तथा उससे क्या कहती है ?

(ग) 'आइने में चाँद उतर आया है' का आशय स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×2 = 4

नभ में पाँती–बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।
हौले हौले जाती मुझे बाँध निज माया से।
उसे कोई तनिक रोक रक्खो।
वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें
नभ में पाँती–बँधी बगुलों की पाँखें।

(क) आकाश में किसकी पंक्ति बँधी है ? वह क्या चुराए ले जा रही है ?

(ख) उपर्युक्त पद्यांश में कवि ने सांझ के सौन्दर्य को किसके माध्यम से दिखाया है ?

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×2 = 4

(क) बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं, किंतु कभी–कभी भाषा के चक्कर में 'सीधी बात भी टेढ़ी हो जाती है' कैसे ?

(ख) 'बादल राग' कविता में कवि बादलों को किस रूप में देखता है ? कालिदास ने मेघदूत काव्य में मेघों को दूत के रूप में देखा। आप अपना कोई काल्पनिक बिंब दीजिए।

(ग) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में व्यक्त व्यंग्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×3 = 6

(i) यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति–शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी। इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई–भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे गाहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं।

(क) बाज़ार को सार्थकता कौन दे सकता है ?

(ख) 'पर्चेजिंग पावर' का गर्व किन लोगों को होता है ?

(ग) बाज़ार को सच्चा लाभ कौन दे सकते हैं ?

(ii) बस एक बात मेरे समझ में नहीं आती थी कि जब चारों ओर पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी भर–भर कर इन पर क्यों फेंकते हैं। कैसी निर्मम बरबादी है पानी की। देश की कितनी क्षति होती है इस तरह के अंधविश्वासों से। कौन कहता है इन्हें इन्द्र की सेना ? अगर इंद्र महाराज से ये पानी दिलवा सकते हैं तो खुद अपने लिए पानी क्यों नहीं माँग लेते ? क्यों मुहल्ले भर का पानी नष्ट करवाते घूमते हैं. नहीं यह सब पाखंड है। अंधविश्वास है। ऐसे ही अंधविश्वासों के कारण हम अंग्रेज़ों से पिछड़ गए और गुलाम बन गए।

(क) देश को किस तरह के अंधविश्वासों से क्षति होती है ?

(ख) इन्द्र सेना पर लेखक क्या व्यंग्य करता है ?

(ग) हम भारतवासी अंग्रेजों से क्यों पिछड़ गये ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3×2 = 6

(क) भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी ? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा ?

(ख) 'नमक' कहानी में भारत व पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है, कैसे ?

(ग) 'शिरीष के फूल' के माध्यम से लेखक आम आदमी को क्या संदेश देना चाहता है ?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×2 = 4

(क) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं।

(ख) 'जूझ' कहानी के आधार पर कथानायक की पढ़ाई के प्रति ललक का चित्रण कीजिए।

(ग) स्पष्ट कीजिए कि 'सिंधु–सभ्यता साधन–संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था।'

11. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में प्रयुक्त 'समहाउ इंप्रापर' तथा 'जो हुआ होगा' वाक्यांश विषय वस्तु में प्रभावी असर उत्पन्न करते हैं। स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

'जूझ' निम्न मध्यवर्गीय ग्रामीण समाज के किसान मजदूरों के संघर्ष की अनूठी झाँकी है। इस कथन की पुष्टि कीजिए।

खण्ड – 'ब'

12. निम्नांकित गद्यांशं पठित्वा केवलं त्रीन् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत– 2×3 = 6

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल तीन प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

एकः नवयुवकः अधिवक्ता श्वेतवेषः शिरसि टोपिकां धृत्वा न्यायालयं प्रविष्टवान्। आंग्लन्यायाधीशः एतस्य नवयुवकस्य गौरवमयं भारतीयं वेशं दृष्ट्वा तम् आदिष्टवान् यत् टोपिकां विना न्यायालयं प्रविशतु अन्यथा बहिर्गच्छतु।" सः नवयुवकः आंग्लन्यायाधीशस्य समक्षम् अवदत्– "अहं न्यायालयं त्यक्तुं शक्नोमि परं स्वटोपिकां न निष्कासयिष्यामि, यतो हि एषः मम आत्मगौरवस्य विषयः अस्ति।"

(क) कीदृशः नवयुवकः न्यायालयं प्रविष्टवान् ?

(ख) आंग्लन्यायाधीशः नवयुवकस्य भारतीयं वेशं दृष्ट्वा किम् आदिष्टवान् ?

(ग) नवयुवकः आंग्लन्यायाधीशं किम् अवदत् ?

(घ) नवयुवकः किं न निष्कासयिष्यति ?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत– 2×2 =
(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

रे ! रे ! चातक सावधानमनसा मित्र! क्षणं श्रूयताम्
अम्भोदाः बहवो वसन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः।
केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति केचिद् वृथा
यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रूहि दीनं वचः।

(क) कविः चातकं किं कर्तुं कथयति ?
(ख) सर्वे अम्भोदाः कीदृशाः न सन्ति ?
(ग) कविः चातकेन कं संदिशति ?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः पञ्च प्रश्नान् संस्कृत भाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत– 2×5 = 1
(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) नीचाः केन भयेन कार्यं न आरभन्ते ?
(ख) मण्डूकाः कस्य आरोहणम् आरब्धवन्तः ?
(ग) वार्षिकोत्सवे मञ्चसंचालनं कः करिष्यति ?
(घ) उष्मतः किं किं म्लायते ?
(ङ) कस्मात् पादपाः पश्यन्ति ?
(च) श्रीकृष्णः दुर्योधनसभां कुतः किमर्थम् आगतः ?
(छ) प्रकृति समक्षं अद्यापि कः वामनकल्पः अस्ति ?
(ज) केषां पर्वतानां विस्फोटैरपि भूकम्पो जायते ?

15. निम्नांकित शब्द सूचीतः शब्दान् चित्वा चत्वारि वाक्यानि उत्तरपुस्तिकायां लिखत– 1×4 = .
(निम्नलिखित शब्दों में से चार शब्दों का संस्कृत में वाक्य में प्रयोग कीजिए)

शब्द सूची– ग्रामात्, पठानि, गमिष्यन्ति, कन्दुकेन, जिघ्रति, रामस्य, तत्र, यूयं, सा, उत्तमजनाः

16. (क) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए)–
देवमन्दिरम् **अथवा** पञ्चपात्रम् http://www.ukboardonline.com

(ख) विभक्ति निर्देशनं कुरुत (विभक्ति बताइए) – 1
जगते **अथवा** सर्वस्याः

(ग) 'सरित्' **अथवा** 'राजन्' शब्दस्य द्वितीया विभक्तेः द्विवचनस्य रूपं लिखत। 1
('सरित्' **अथवा** 'राजन्' शब्द का द्वितीया विभक्ति के द्विवचन का रूप लिखिए।)

(घ) 'भू' **अथवा** 'पठ्' धातोः लट्लकारस्य उत्तम पुरुषस्य बहुवचनस्य रूपं लिखत। 1
('भू' **अथवा** 'पठ्' धातु का लट्लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन का रूप लिखिए)

(ङ) (i) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए) – गोपालकः + तव **अथवा** रामः + अपि 1
(ii) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) – कश्चित् **अथवा** दुर्जनः 1

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 3+3=6
(कोई एक कंठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए।)

****

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com